an>

Title: Regarding problems faced by schools run by Vidya Bharati in West Bengal.

श्री ओम बिरला (कोटा) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, विद्या भारती के द्वारा भारत में 23 हजार से ज्यादा संस्थाएं बच्चों में शिक्षा के संस्कार और शिक्षा देने का काम करती हैं। एक लाख 47 हजार से ज्यादा शिक्षण संस्थाएं प्रान्तीय और क्षेत्रीय स्तर पर काम करती हैं, जिनमें 34 लाख से ज्यादा विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा, संस्कार, नैतिक मूल्यों की स्थापना, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की शिक्षा दी जाती है। चिंता की बात यह है कि जो शिक्षण संस्थाएं देश के निर्माण का काम करती हैं, जो बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र के निर्माण का काम करती है, पश्चिम बंगाल सरकार वहां इन 125 संस्थाओं को नोटिस देकर बंद करना चाहती है।

महोदय, मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि पश्चिम बंगाल सरकार गलत और पक्षपातपूर्ण तरीके से राÂष्ट्र का निर्माण करने वाली संस्थाओं को नोटिस देकर बंद करना चाहती है। मैं समझता हूं कि इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप किया जाए और राज्य सरकार ने इन संस्थाओं को जो नोटिस दिये हैं, वे वापस लिये जाएं।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Rodmal Nagar, Shri Gajendra Singh Shekhawat, Shri Sharad Tripathi, Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Om Birla.

Shri Elumalai, please make it brief because we have to adjourn the House at six o'clock.